tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

हम हाथ मिलाने को तैयार हैं सलमान अली
Page-04

कार्तिक आर्यन पर प्रशांत नारायण का तंज
Page-05

मोरन हाईवे बना एयरबेस:

PM मोदी की मौजूदगी में राफेल-सुखोई का शक्ति प्रदर्शन, कई परियोजनाओं का उद्घाटन

असम, टीवी भारतवर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह असम के डिब्रूगढ़ जिले के मोरन बाइपास पर बने इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) एयरस्ट्रिप पर भारतीय वायुसेना के विमान से उतरकर एक अहम सैन्य और अवसंरचनात्मक संदेश दिया। सुबह करीब 10 बजे उनका विमान हाईवे पर उतरा। यह एयरस्ट्रिप सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि यह क्षेत्र चीन सीमा से लगभग 300 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और आपात स्थिति में वायुसेना के वैकल्पिक रनवे के रूप में काम कर सकता है।प्रधानमंत्री की मौजूदगी में वायुसेना ने शक्ति प्रदर्शन भी किया। राफेल और सुखोई सहित कुल 16 लड़ाकू विमानों ने एरियल शो पेश किया और हाईवे से ही टेकऑफ-लैंडिंग का प्रदर्शन किया। लगभग 30 मिनट तक चले इस डेमो में युद्धकालीन तैयारी, त्वरित तैनाती और आपातकालीन संचालन क्षमता को प्रदर्शित किया गया। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की सुविधा पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारत की सामरिक स्थिति को मजबूत करती है और सीमा क्षेत्रों में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाती है।कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मन सेतु का उद्घाटन किया और IIM गुवाहाटी के अस्थायी परिसर का भी लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, शिक्षा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी का यह पिछले तीन महीनों में तीसरा असम दौरा है। राज्य में इसी वर्ष विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। असम में 2016 से लगातार दो बार NDA की सरकार रही है, जबकि इससे पहले 2001 से 2016 तक कांग्रेस सत्ता में थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विकास परियोजनाओं और सुरक्षा तैयारियों के संदेश के साथ यह दौरा चुनावी माहौल में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पानी के संकट की ओर बढ़ता बिहार:

घटती जल उपलब्धता से 'वॉटर स्ट्रेस' श्रेणी में पहुंचा राज्य

बिहार, टीवी भारतवर्ष

बिहार में पानी की उपलब्धता को लेकर सामने आए ताज़ा आंकड़ों ने सरकार और आम जनता दोनों की चिंता बढ़ा दी है। विधान परिषद में जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, IIT पटना और जल संसाधन विभाग के संयुक्त सर्वे से स्पष्ट हुआ है कि राज्य अब जल संसाधनों के मामले में पहले जैसा समृद्ध नहीं रहा। प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता तेजी से घट रही है और बिहार 'वॉटर स्ट्रेस' यानी जल दबाव की श्रेणी में प्रवेश कर चुका है।विशेषज्ञों के अनुसार 'वॉटर स्ट्रेस' की स्थिति तब मानी जाती है जब पानी की मांग उपलब्ध संसाधनों के करीब पहुंचने लगती है और भविष्य में पेयजल तथा सिंचाई दोनों पर खतरा मंडराने लगता है। बिहार में बढ़ती आबादी, खेती में अत्यधिक पानी की जरूरत और शहरीकरण ने जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा दिया है। इसका सबसे बड़ा कारण अनियंत्रित भूजल दोहन बताया जा रहा है। राज्य के कई जिलों में लोग पेयजल और सिंचाई के लिए तेजी से ट्यूबवेल और बोरिंग पर निर्भर हो गए हैं, जिससे भूमिगत जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है।कभी बिहार में लगभग 600 नदियां बहती थीं, जो राज्य की जीवनरेखा मानी जाती थीं। लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि सरकार को 340 नदियों को चिह्नित कर उनके पुनर्जीवन के लिए विशेष अभियान चलाना पड़ रहा है। कई नदियां अतिक्रमण, गाद जमाव और प्राकृतिक जलधारा में रुकावट के कारण सिकुड़ गई हैं या मौसमी बन चुकी हैं। कुछ नदियों का अस्तित्व कागजों तक सीमित रह गया है।जल विशेषज्ञों का कहना है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा, तटों पर अतिक्रमण और वर्षाजल संचयन की कमी ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। यदि स्थिति यही रही तो भविष्य में खेती, पेयजल आपूर्ति और पर्यावरण संतुलन पर व्यापक असर पड़ सकता है। सरकार ने नदियों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण और भूजल प्रबंधन की योजनाओं को तेज करने की बात कही है। साथ ही लोगों से भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक होने की अपील की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में बिहार के कई हिस्सों में जल संकट सामाजिक और आर्थिक चुनौती का रूप ले सकता है।

मुंबई में मेट्रो निर्माण स्थल पर हादसा:

पिलर का हिस्सा गिरने से एक की मौत, तीन घायल

मुंबई, टीवी भारतवर्ष

मुंबई के मुलुंड पश्चिम इलाके में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जब मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान पिलर का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर पड़ा। यह दुर्घटना एलबीएस रोड पर उस समय हुई, जब सड़क से गुजर रहे वाहन और लोग निर्माण स्थल के पास मौजूद थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निर्माणाधीन मेट्रो पिलर का भारी कंक्रीट हिस्सा अचानक नीचे आ गिरा, जिसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।अधिकारियों ने क्षेत्र को घेरकर यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया, ताकि बचाव कार्य में कोई बाधा न आए। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि निर्माण कार्य के दौरान तकनीकी लापरवाही या ढांचे की मजबूती में कमी के कारण यह दुर्घटना हुई। हालांकि, वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं।स्थानीय प्रशासन ने निर्माण एजेंसी से रिपोर्ट तलब की है और सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इस हादसे के बाद आसपास के निवासियों ने निर्माण स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बाल-बाल बचे उपमुख्यमंत्री

झुंझुनूं में डिप्टी सीएम बैरवा के काफिले से टकराई कार

राजस्थान, टीवी भारतवर्ष

राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के काफिले में शनिवार को एक दुर्घटना होने का मामला सामने आया। घटना झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी क्षेत्र में उस समय हुई, जब उपमुख्यमंत्री एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान एक कार अचानक काफिले के बीच घुस गई और काफिले में शामिल एक वाहन से टकरा गई।बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त डॉ. बैरवा की गाड़ी काफिले में आगे निकल चुकी थी, जिससे वे पूरी तरह सुरक्षित रहे। टक्कर के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत स्थिति को संभाला और पूरे इलाके का जायजा लिया।अधिकारियों के अनुसार इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, हालांकि काफिले की एक गाड़ी को नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और वाहन चालक से पूछताछ शुरू कर दी गई। प्रारंभिक जांच में इसे लापरवाही या नियंत्रण खोने की वजह से हुई दुर्घटना माना जा रहा है।पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां भी काफिले की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रही हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। जानकारी के अनुसार घटना के बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत काफिले को कुछ देर के लिए मौके पर ही रोकना पड़ा। सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति का जायजा लेकर उपमुख्यमंत्री सहित सभी सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

राज्यसभा अटकलों के बीच गरमाई महाराष्ट्र सियासत,

शरद पवार को लेकर संजय राउत का बड़ा बयान

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है और केंद्र में हैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता शरद पवार। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत के हालिया बयान के बाद राज्य में सियासी चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। राउत ने दावा किया है कि एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं और इस मुद्दे पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दल आपस में चर्चा करेंगे।पिछले कुछ समय से महाराष्ट्र में गठबंधन राजनीति लगातार बदलते समीकरणों के कारण सुर्खियों में बनी हुई है। एनसीपी के भीतर दो धड़ों के अस्तित्व और उनके बीच संभावित विलय की चर्चाएं भी राजनीतिक गलियारों में चल रही थीं। हालांकि संजय राउत ने साफ कहा कि दोनों गुटों का विलय फिलहाल संभव नहीं दिखता। उनके अनुसार वैचारिक मतभेद और संगठनात्मक स्थितियां ऐसी हैं कि दोनों पक्षों का एक मंच पर आना आसान नहीं होगा।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शरद पवार की संभावित राज्यसभा उम्मीदवारी केवल एक चुनावी कदम नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी हो सकती है। राज्यसभा में उनकी उपस्थिति विपक्षी दलों के लिए अनुभव और नेतृत्व का महत्वपूर्ण आधार बन सकती है। साथ ही यह भी संकेत माना जा रहा है कि एमवीए आगामी राजनीतिक परिस्थितियों के लिए खुद को संगठित करने की कोशिश कर रहा है।इस बयान के बाद महाराष्ट्र में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि महा विकास अघाड़ी के भीतर सीट बंटवारे और समर्थन को लेकर किस प्रकार की सहमति बनती है। कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) की भूमिका इस पूरे घटनाक्रम में अहम मानी जा रही है। यदि सभी दल एकमत होते हैं तो राज्यसभा चुनाव राज्य की राजनीति में नए समीकरण बना सकता है।फिलहाल आधिकारिक तौर पर किसी दल ने अंतिम निर्णय की घोषणा नहीं की है, लेकिन संजय राउत के बयान ने इतना स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल और बढ़ सकती है। अब सभी की निगाहें एमवीए की बैठकों और दलों के अगले कदम पर टिकी हैं, जहां से राज्यसभा चुनाव और एनसीपी के भविष्य को लेकर स्थिति और स्पष्ट होगी।

आवश्यकता
Tv भारतवर्ष ग्रुप
को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में e रिपोर्टर की। और पॉडकास्ट हेतु टैलेंटेड युवक ,और युवतियों की जो डिजिटल मीडिया में अपना भविष्य और पहचान बनाना चाहते है ।
इच्छुक अभ्यर्थी अपनी सीवी
8601780000 व्हाट्सप्प के माध्यम से भेंजे

सड़क पर बनाई गई हाईवे स्ट्रिप पर उतरा पीएम मोदी का प्लेन

असम के डिब्रूगढ़ में प्रधानमंत्री मोदी ने मोरन बाईपास पर बनी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) पर C-130J विमान से लैंड किया। यह पूर्वोत्तर की पहली ELF है, 4.2 किलोमीटर लंबी है और लड़ाकू, परिवहन विमानों के लिए रणनीतिक हवाई पट्टी के रूप में काम करेगी, युद्ध और आपदा राहत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

असम के डिब्रूगढ़ में मोरन बाईपास पर बुधवार को एक ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पल देखने को मिला जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) पर उतरा। यह पूर्वोत्तर भारत में अपनी तरह की पहली इमरजेंसी लैंडिंग सुविधा है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर भारतीय वायुसेना के C-130J सुपर हरक्यूलिस विमान से मोरन ELF पर लैंड किया।मोरन बाईपास पर बनाई गई इस खास हवाई पट्टी पर न केवल C-130J बल्कि राफेल, सुखोई-30 और अन्य लड़ाकू वायुसेना के विमान आसानी से लैंडिंग और टेक-ऑफ कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 14 फरवरी को चाबुवा हवाई क्षेत्र से उड़ान भरी और मोरन ELF पर उतरकर इस सुविधा का निरीक्षण किया।मोरन ELF लगभग 4.2 किलोमीटर लंबी है और इसे 100 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। यह हवाई पट्टी विशेष रूप से भारतीय वायुसेना के लड़ाकू और परिवहन विमानों के लिए एक रणनीतिक और बहुउद्देशीय रनवे के रूप में कार्य करेगी। आपात स्थिति में यह हवाई पट्टी वायुसेना के लिए एक वैकल्पिक हवाई बेस के रूप में काम कर सकती है।इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध या किसी अन्य आपात स्थिति में विमान बिना किसी देरी के सुरक्षित लैंडिंग और टेक-ऑफ कर सके। सामान्य समय में इस सड़क पर गाड़ियां चलती हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे रणनीतिक हवाई पट्टी में परिवर्तित किया जा सकता है। यह सुविधा पूर्वोत्तर की रक्षा को मजबूत बनाने के साथ ही चीन सीमा के नजदीक सुरक्षा को बढ़ाने में भी मदद करेगी।विशेषज्ञों के अनुसार, ELF की सबसे बड़ी आवश्यकता युद्ध की स्थिति में होती है। यदि किसी वायुसेना के मुख्य एयर बेस पर हमला हो जाए या वह दुश्मन के निशाने पर आ जाए, तो लड़ाकू विमान सड़क पर बनी हवाई पट्टी पर उतर सकते हैं और संचालन जारी रख सकते हैं। यह सुविधा न केवल लड़ाकू विमानों के लिए बल्कि परिवहन विमानों और आपदा राहत मिशनों के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक आपदाओं, राहत कार्यों और रसद परिवहन में ELF का उपयोग रणनीतिक रूप से किया जा सकता है। मोरन ELF की यह खासियत है कि इसे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सक्रिय किया जा सकता है। सड़क पर बनी इस हवाई पट्टी को तैयार करने के लिए आधुनिक तकनीक और कंक्रीट स्ट्रिप का उपयोग किया गया है, जिससे भारी विमानों का सुरक्षित लैंडिंग और टेक-ऑफ सुनिश्चित किया जा सके। अधिकारी बताते हैं कि यह सुविधा पूर्वोत्तर के सुरक्षा ढांचे को मजबूत करेगी और क्षेत्र में तैनात वायुसेना के संचालन को सहज बनाएगी।भारत सरकार ने पूरे देश में ऐसे 28 इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी बनाने का लक्ष्य रखा है। सड़क परिवहन मंत्रालय और भारतीय वायुसेना ने पहले ही उन स्थानों की पहचान कर ली है जहां ये ELF बनाई जाएंगी। पूर्वोत्तर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, असम में कम से कम पांच ELF बनाई जाएंगी, जो युद्ध और आपातकालीन परिस्थितियों में वायुसेना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगी।मोरन ELF से न केवल रक्षा बलों की तैनाती और युद्ध संचालन को मजबूती मिलेगी, बल्कि यह आपदा राहत और रसद आपूर्ति में भी मददगार साबित होगी। यह सुविधा भारतीय सुरक्षा रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए रणनीतिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की इस उड़ान और ELF पर लैंडिंग ने पूरे पूर्वोत्तर में सुरक्षा, रणनीति और तकनीकी सक्षमता को प्रदर्शित किया। अधिकारियों ने कहा कि ELF की सक्रियता वायुसेना के लिए तत्परता और तेजी सुनिश्चित करती है, जिससे किसी भी स्थिति में क्षेत्रीय सुरक्षा बनाए रखना आसान हो जाता है।इस तरह, मोरन बाईपास पर बनाई गई इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी न केवल पूर्वोत्तर की सुरक्षा को मजबूत करेगी बल्कि भारत की रणनीतिक ताकत को भी बढ़ाएगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस ऐतिहासिक लैंडिंग से ELF की महत्वाकांक्षा और उसकी बहुउद्देशीय भूमिका स्पष्ट रूप से सामने आई है।

ईरान में बदलाव की चर्चा तेज ट्रंप ने दिया सख्त संदेश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान में 'सत्ता परिवर्तन' की संभावना को खुला समर्थन देते हुए कहा है कि ईरान के वर्तमान शासन का अंत "सबसे अच्छी बात होगी जो हो सकती है।" यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य उपस्थिति को दोगुना कर दिया है। US के जंगी जहाज़ों के अपनी जगह पर आने और तनाव बढ़ने के साथ, प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ईरान में सरकार बदलने की बात खुले तौर पर कह रहे हैं। नॉर्थ कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मिलने के बाद रिपोर्टरों से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि तेहरान में सत्ता में बदलाव "सबसे अच्छी बात होगी जो हो सकती है" क्योंकि उनका एडमिनिस्ट्रेशन मिलिट्री एक्शन लेने पर विचार कर रहा है। ईरान के इस्लामिक मौलवी लीडरशिप को हटाने के लिए दबाव डालने के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, "ऐसा लगता है कि यह सबसे अच्छी बात होगी जो हो सकती है।" ट्रंप की बातें रुकी हुई बातचीत और लंबे समय से चल रहे तनाव के बीच ईरान की लीडरशिप को लेकर बढ़ती बेसब्री को दिखाती हैं। ईरान के मौलवी शासन का ज़िक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, "47 सालों से, वे बातें ही करते रहे हैं।" "इस बीच, जब वे बातें कर रहे थे, तब हमने बहुत सी जानें गंवाईं।" उन्होंने इस इलाके में लड़ाई की इंसानी कीमत की ओर इशारा किया। ट्रंप ने कहा, "पैर उड़ गए, हाथ उड़ गए, चेहरे उड़ गए। हम लंबे समय से यह सब कर रहे हैं।" ट्रंप ने ईरान के मौजूदा लीडरशिप के वारिस का नाम बताने से मना कर दिया, और सिर्फ़ इतना कहा कि "लोग हैं।"

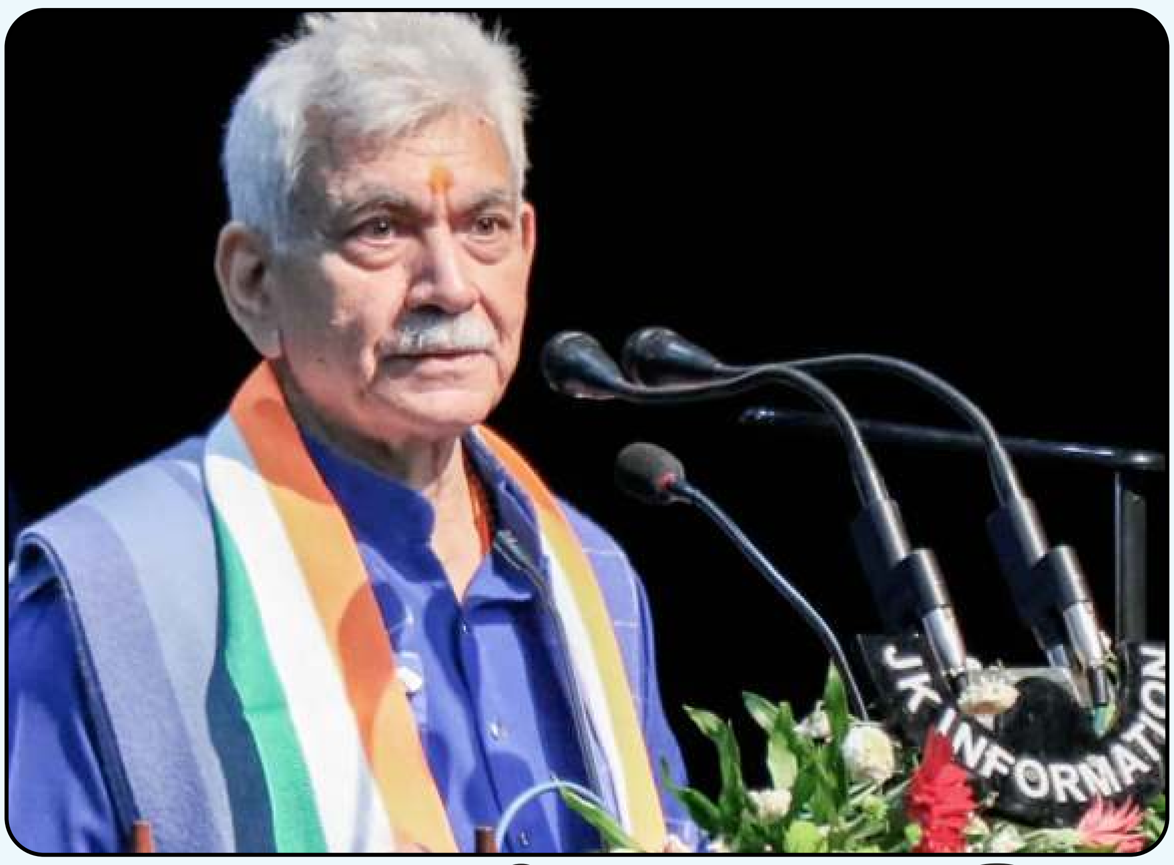

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि: उपराज्यपाल ने कहा – 'देश हमेशा ऋणी रहेगा'

बांग्लादेश में सोमवार को नई संसद और प्रधानमंत्री शपथ ग्रहण की तैयारी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बांग्लादेश में नई संसद के लिए चुने गए सांसदों की शपथ समारोह की तैयारी चल रही है और संभावना है कि यह कल आयोजित होगा। इसके बाद नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान शपथ ग्रहण कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, शपथ ग्रहण 16 फरवरी की शाम या 17 फरवरी की शाम को हो सकता है, क्योंकि बांग्लादेश में परंपरा रही है कि सरकार का शपथ ग्रहण समारोह शाम के समय आयोजित किया जाता है।बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने देश के 13वें संसदीय चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बीएनपी और उसके सहयोगी दलों ने 300 सदस्यीय संसद में से 299 सीटों पर हुए मतदान में करीब 210 सीटें जीती हैं। एक सीट पर उम्मीदवार की मौत के कारण मतदान को स्थगित कर दिया गया था। इस चुनाव को देश की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, खासकर जुलाई 2024 के आंदोलन के बाद, जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का लंबा शासन समाप्त हुआ था।इस बार जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले इस्लामी गठबंधन ने लगभग 70 सीटें जीतकर नई संसद में मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाने का दावा किया है। इसके अलावा, अन्य छोटे दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने करीब 17 सीटें हासिल की हैं। हालांकि, चुनाव आयोग ने तीन सीटों के नतीजे फिलहाल रोक दिए हैं, क्योंकि वहां विजेता उम्मीदवारों के खिलाफ अदालत में मामले लंबित हैं।बीएनपी की यह जीत देश की राजनीतिक दिशा को बदलने और विपक्ष के दबदबे को कमजोर करने का संकेत देती है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इसे जनता की व्यापक सहमति और सरकार के प्रति जनभावना का परिणाम बताया है। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इस चुनाव के नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बीएनपी ने बड़े पैमाने पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अपना प्रभाव बढ़ाया है, जिससे राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं।तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के साथ ही नए शासन में कई नई नीतियों और प्रशासनिक बदलावों की उम्मीद है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीएनपी की सरकार आर्थिक सुधारों, सामाजिक विकास और अल्पसंख्यक हितों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे सकती है। वहीं, विपक्षी गठबंधन जमात-ए-इस्लामी भी संसद में सक्रिय भूमिका निभाएगा और सरकार की नीतियों पर नजर रखेगा।इस प्रकार, बांग्लादेश का यह संसदीय चुनाव न केवल पार्टी-राजनीति में बदलाव लेकर आया है, बल्कि यह देश की भविष्य की राजनीतिक दिशा और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को भी प्रभावित करेगा।

बांग्लादेश चुनाव: तीन हिंदू उम्मीदवार विजयी हुए

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में तीन हिंदू उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है, और सभी विजेता बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के हैं। यह चुनाव ऐसे समय हुआ है जब देश में अल्पसंख्यक भागीदारी और सांप्रदायिक तनाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच वोटिंग हुई।बीएनपी ने कुल 299 सीटों में से 211 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि जमात-ए-इस्लामी केवल 68 सीटों तक सिमट गई। प्रमुख विजेताओं में बीएनपी के वरिष्ठ नेता गायेश्वर चंद्र रॉय भी शामिल हैं, जो ढाका-3 निर्वाचन क्षेत्र से विजयी हुए। रॉय ने कुल 99,163 वोट हासिल किए और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, जमात-ए-इस्लामी के मोहम्मद शाहिनुर इस्लाम को 83,264 वोटों के अंतर से हराया। यह निर्वाचन क्षेत्र जिंजीरा, आगानगर, तेघरिया, कोंडा और शुभाध्या सहित केरानीगंज के कुछ हिस्सों को कवर करता है। रॉय की जीत को खास तौर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल ही में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न और हमलों की खबरें आई थीं।मागुरा-2 सीट से बीएनपी के उपाध्यक्ष निताई रॉय चौधरी ने भी आसानी से जीत दर्ज की। उन्हें कुल 1,47,896 वोट मिले, जबकि जमात-ए-इस्लामी के मुस्तर्शीद बिल्लाह को 1,17,018 वोट मिले। चौधरी बीएनपी के अंदर अल्पसंख्यक समुदाय के एक प्रभावशाली चेहरे के रूप में माने जाते हैं और उनकी जीत पार्टी के अल्पसंख्यक आबादी वाले क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन को दर्शाती है।रंगामती संसदीय सीट से अधिवक्ता दिपेन दीवान तीसरे हिंदू विजेता के रूप में उभरे। उन्हें कुल 31,222 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय उम्मीदवार पहल चकमा को 21,544 वोट मिले। इसके अलावा, साचिंग प्रू, जो अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, बंदरबन निर्वाचन क्षेत्र से 1,41,455 वोट प्राप्त कर विजयी हुए।वहीं, जमात गठबंधन की ओर से मैदान में उतारे गए एकमात्र हिंदू उम्मीदवार कृष्ण नंदी को हार का सामना करना पड़ा। खुलना-1 सीट से चुनाव लड़ रहे नंदी को 70,346 वोट मिले, लेकिन वे बीएनपी के उम्मीदवार से पीछे रहे। इस चुनाव में जमात द्वारा नामांकित किसी भी अल्पसंख्यक उम्मीदवार को जीत नहीं मिली।इस तरह, बांग्लादेश में इस चुनाव ने यह स्पष्ट किया कि बीएनपी अल्पसंख्यक समुदाय में मजबूत पकड़ बनाए हुए है और पार्टी की जीत ने देश के राजनीतिक परिदृश्य में उनकी भूमिका को और अधिक सशक्त किया है।

कोलकाता एयरपोर्ट: इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, विमान सुरक्षा कारणों से रोका गया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कोलकाता एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह हड़कंप मच गया जब शिलॉन्ग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E-7304 के टॉयलेट से बम धमकी वाला संदिग्ध नोट मिलने की जानकारी सामने आई। इस सूचना के तुरंत बाद विमान को यात्रियों से दूर आइसोलेशन बे में स्थानांतरित कर दिया गया और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी।जानकारी के अनुसार, नोट में बम होने की धमकी लिखी होने की आशंका जताई गई है। फ्लाइट सुबह 9:15 बजे उड़ान भरने वाली थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसे रोक दिया गया। तय प्रोटोकॉल के अनुसार सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से विमान से उतार लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान की गहन तलाशी के लिए बम निरोधक दस्ते (Bomb Disposal Squad) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीमों को बुलाया गया।सुरक्षा जांच के दौरान विमान का सारा सामान भी नीचे उतारकर रनवे पर रखा गया, ताकि डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते इसकी विशेष जांच कर सकें। अधिकारियों ने अभी तक यह पुष्टि नहीं की है कि कोई संदिग्ध वस्तु मिली है या नहीं।इस घटना के बाद सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (CISF) की बड़ी संख्या में तैनाती की गई। आइसोलेशन जोन के आसपास सुरक्षा कर्मियों को रखा गया और एयरपोर्ट की आपातकालीन गाड़ियां, जैसे फायर ब्रिगेड की गाड़ी, भी मौके पर मौजूद थीं। ग्राउंड स्टाफ हाई-विजिबिलिटी जैकेट पहनकर पूरे ऑपरेशन का समन्वय कर रहे थे।इंडिगो एयरलाइन ने बयान जारी कर कहा कि सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है और सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है। एयरलाइन ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने और विमान की सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही आगे की उड़ान संचालन के बारे में फैसला लिया जाएगा।सुरक्षा अधिकारियों ने यात्रियों और एयरपोर्ट कर्मियों को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा प्राथमिकता है और किसी भी परिस्थिति में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने तक उड़ान संचालन को स्थगित रखा गया है और सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।यह घटना एयरपोर्ट सुरक्षा के महत्व को एक बार फिर उजागर करती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के संदिग्ध नोट मिलने पर तुरंत कार्रवाई करना आवश्यक होता है क्योंकि यह न केवल विमान और यात्रियों के लिए खतरा पैदा कर सकता है, बल्कि एयरपोर्ट के संचालन को भी प्रभावित कर सकता है।कोलकाता एयरपोर्ट प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है और भविष्य में ऐसी किसी भी घटना से निपटने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं को और मजबूत करने का निर्देश दिया है। यात्रियों की सुरक्षा और उड़ानों की समयबद्धता बनाए रखना सर्वोपरि बताया गया है।

संपादक की कलम से

भारत और बांग्लादेश का रिश्ता केवल भौगोलिक पड़ोस तक सीमित नहीं है; यह इतिहास, संस्कृति, भाषा, नदी-जल, व्यापार और सुरक्षा—इन सभी आयामों से गहराई से जुड़ा हुआ संबंध है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका ने इस रिश्ते की नींव विश्वास और सहयोग पर रखी थी। पिछले एक दशक में दोनों देशों के बीच संबंधों ने उल्लेखनीय प्रगति भी की है—लेकिन हाल के महीनों में कुछ राजनीतिक और कूटनीतिक संकेत यह भी बताते हैं कि यह रिश्ता अब एक नई परीक्षा के दौर से गुजर रहा है।सबसे पहले, आर्थिक और संपर्क के मोर्चे पर देखें तो भारत-बांग्लादेश साझेदारी दक्षिण एशिया की सबसे सफल क्षेत्रीय साझेदारियों में गिनी जाती है। सीमा हाट, रेल-सड़क-जलमार्ग संपर्क, पेट्रोलियम पाइपलाइन, बिजली निर्यात और व्यापारिक गलियारों ने दोनों अर्थव्यवस्थाओं को एक-दूसरे का पूरक बना दिया है। बांग्लादेश आज भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए समुद्री पहुंच का प्रमुख द्वार बन चुका है, वहीं भारत बांग्लादेश का सबसे बड़ा पड़ोसी बाज़ार और विकास भागीदार है। इस सहयोग का सीधा असर सीमावर्ती इलाकों की रोज़गार, परिवहन और उद्योग गतिविधियों पर दिखाई देता है।लेकिन रिश्तों की वास्तविक परीक्षा केवल आर्थिक सहयोग से नहीं होती—बल्कि राजनीतिक संवेदनशीलताओं से होती है। हाल के वर्षों में सीमा प्रबंधन, अवैध आव्रजन, रोहिंग्या शरणार्थी संकट और तीस्ता जल बंटवारा जैसे मुद्दे दोनों देशों के बीच समय-समय पर तनाव का कारण बने हैं। विशेष रूप से तीस्ता नदी जल समझौता लंबे समय से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में जनमत प्रभावित होता है और भारत के प्रति अपेक्षाएं भी बढ़ती हैं। भारत को यह समझना होगा कि बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में भारत-नीति एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बन चुकी है।सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग को एक आदर्श मॉडल माना जाता है। बांग्लादेश ने अपने क्षेत्र का उपयोग भारत-विरोधी उग्रवादी संगठनों के खिलाफ सख्ती से रोका है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ पूर्वोत्तर भारत की आंतरिक सुरक्षा को मिला है।

पीएम मोदी का ऐलान:

भारत बनेगा दुनिया का नया विकास इंजन, वैश्विक अर्थव्यवस्था में 16% योगदान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत वैश्विक वृद्धि में 16% योगदान दे रहा है और भविष्य में यह बढ़ेगा। देश सुधारों की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर है, निवेश और व्यापार के लिए तैयार है। बजट 2026-27 से पूंजीगत व्यय बढ़ा और आर्थिक क्षमता, उत्पादकता एवं रोजगार सृजन को बल मिला।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि भारत भविष्य में विश्व अर्थव्यवस्था का नया इंजन बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक वृद्धि में 16 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है और आने वाले समय में इसकी हिस्सेदारी और बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने यह बातें ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट 2026 में अपने संबोधन के दौरान कहीं।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के इस दशक में भारत सुधारों की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर सवार है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में किए जा रहे सुधार किसी मजबूरी में नहीं बल्कि प्रतिबद्धता और संकल्प के साथ किए जा रहे हैं। मोदी ने कहा, "भारत दुनिया की आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए पूरी तरह तैयार है।"उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि पिछले दशक की शुरुआत में भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और ऐसी आशंका जताई जा रही थी कि वह और नीचे खिसक सकता है। लेकिन आज देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री ने कोविड-19 महामारी और आपूर्ति शृंखला में आई बाधाओं का भी उल्लेख किया और कहा कि संकट के समय ही किसी देश की असली क्षमता सामने आती है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "मुझे गर्व है कि तमाम व्यवधानों के बावजूद यह दशक अभूतपूर्व विकास, बेहतर क्रियान्वयन और लोकतंत्र की मजबूती का रहा है।" उन्होंने कहा कि अब कई मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं, जबकि 2014 से पहले सरकार की दृष्टि न होने के कारण यह संभव नहीं था।मोदी ने बताया कि पहले नीतिगत मोर्चे पर अनिर्णय की स्थिति, घोटालों और भ्रष्टाचार के माहौल के कारण भारत को पांच नाजुक देशों के समूह 'फ्रेजाइल फाइव' का हिस्सा माना जाता था। ऐसे समय में निवेशक और वैश्विक समुदाय भारत पर भरोसा नहीं कर सकते थे। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्वास से पूर्ण होने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने के कारण व्यापार समझौतों का हिस्सा बन रहा है।प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हाल ही में एक फरवरी को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026-27 ने 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' को और गति दी है। बजट में पूंजीगत व्यय बढ़ाकर करीब 17 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिसका अर्थव्यवस्था की क्षमता, उत्पादकता और रोजगार सृजन पर कई गुना प्रभाव पड़ेगा। मोदी ने बताया कि कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकारों के समय बजट का ध्यान सिर्फ आवंटन और उत्पादों के सस्ते या महंगे होने पर केंद्रित रहता था। इसके अलावा कोई यह नहीं देखता था कि योजनाओं का वास्तविक क्रियान्वयन क्या हुआ।प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बजट को केवल आवंटन-केंद्रित नहीं, बल्कि परिणाम-केंद्रित बनाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार की नीतियां आर्थिक सुधारों, विश्वसनीयता और निवेश आकर्षण पर आधारित हैं, जिससे भारत वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा में मजबूती से खड़ा हो सके।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसकी हिस्सेदारी और बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सुधारों की प्रक्रिया में लगातार प्रगति कर रहा है और देश की आर्थिक वृद्धि का रुख सकारात्मक बना हुआ है।प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि भारत ने पिछले दशक में कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन संकट के समय ही देश की असली क्षमता और विकास की दिशा स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी और आपूर्ति शृंखला में व्यवधानों के बावजूद भारत ने तेजी से सुधारों को लागू किया और विकास की दिशा में अग्रसर रहा।मोदी ने बताया कि भारत अब कई मुक्त व्यापार समझौतों के हिस्से के रूप में वैश्विक आर्थिक मंच पर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी बढ़ने से न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी नई रफ्तार मिलेगी।प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत सुधारों के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुधार किसी मजबूरी में नहीं बल्कि दृढ़ संकल्प और रणनीतिक दृष्टि के साथ किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है और वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति और मजबूत कर रहा है।प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश स्पष्ट है कि भारत न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक आर्थिक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में भारत विश्व अर्थव्यवस्था का नया इंजन बनेगा और वैश्विक आर्थिक विकास में 16 प्रतिशत से अधिक योगदान देगा।

शिवराज सिंह चौहान का राहुल गांधी पर हमला, किसानों में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बार-बार झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर आम जनता में भ्रम पैदा कर रहे हैं। चौहान ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता किसानों, मछुआरों, कारीगरों, स्टार्टअप्स और लघु एवं मध्यम उद्यमों के अधिकारों की रक्षा करता है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राहुल गांधी लगातार झूठ बोल रहे हैं। वे झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने की असफल कोशिश कर रहे हैं। वे देशवासियों में भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते में देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हमारे लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप्स, किसानों, कारीगरों और मछुआरों के अधिकारों की रक्षा की गई है। कृषि मंत्री ने दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का बचाव करते हुए कहा कि विनियमित लागत और सीमित मात्रा के कारण आयात प्रक्रियाएं किसानों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सेब की बात कर रहे हैं। हम 55 लाख मीट्रिक टन सेब आयात करते हैं, और किस आधार पर? न्यूनतम आयात मूल्य 80 रुपये प्रति किलो है, और 25 रुपये प्रति किलो अतिरिक्त शुल्क लगता है, यानी लैंडिंग लागत 105 रुपये है। तो इससे किसानों को कैसे नुकसान हो रहा है? शिवराज ने कहा कि अखरोट के मामले में भी लगातार गुमराह करने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत पहले से ही 60,000 मीट्रिक टन अखरोट आयात करता है। केवल 13,000 मीट्रिक टन का सीमित कोटा ही आवंटित किया गया है। इससे किसानों को कैसे नुकसान होगा? सोयाबीन और मक्का पर कोई सब्सिडी नहीं दी गई। इसके अलावा, चौहान ने गांधी के दावे का खंडन करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में आयात की अनुमति नहीं दी थी, और बताया कि उस दौरान 20 अरब डॉलर मूल्य के कृषि उत्पाद आयात किए गए थे।

PM मोदी के असम दौरे पर कांग्रेस का तंज: 'मणिपुर सिर्फ एक घंटे दूर, ये रहा टिकट'

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस की तीखी राजनीतिक टिप्पणी ने मणिपुर को एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया है। पार्टी के नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूर्वोत्तर दौरे के दौरान हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर का दौरा करने का आग्रह किया। X पर एक पोस्ट में, खेड़ा ने व्यंग्य करते हुए लिखा कि चुनाव वाले राज्य हमेशा प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता होते हैं, लेकिन मणिपुर को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। खेड़ा ने कहा कि मणिपुर 2023 से लगातार अशांति और हिंसा का सामना कर रहा है और अब फिर से स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति मणिपुर के लोगों को आश्वस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने दोनों राज्यों की निकटता का उल्लेख करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री असम में हैं और मणिपुर यहाँ से केवल एक घंटे की दूरी पर है, इसलिए उन्हें मणिपुर का दौरा करना चाहिए। तीखे तंज में, पवन खेड़ा ने दावा किया कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के लिए गुवाहाटी से इम्फाल तक की उड़ान भी बुक कर दी थी। उन्होंने लिखा, "आपकी सुविधा के लिए गुवाहाटी से इम्फाल के लिए आपका फ्लाइट टिकट बुक कर दिया गया है, बस विमान में बैठिए।" इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि चूंकि उनके पास प्रधानमंत्री का निजी नंबर नहीं है, इसलिए उन्होंने यह टिकट सार्वजनिक रूप से साझा किया। उनका कहना था कि इसका उपयोग करके प्रधानमंत्री दिखा सकते हैं कि उन्हें मणिपुर और वहां के लोगों की परवाह है। इस पोस्ट पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। समर्थकों ने प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे की मांग को और मजबूत किया, जबकि आलोचकों ने संदेश के लहजे पर सवाल उठाए। मणिपुर में 2023 से लगातार अशांति और हिंसक झड़पें हो रही हैं, जिससे राजनीतिक तनाव बढ़ा है। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के निपटने के तरीकों की लगातार आलोचना की है और प्रधानमंत्री से सीधे हस्तक्षेप की मांग की है। सरकार का कहना है कि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी असम में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ कर रहे थे। कांग्रेस की इस टिप्पणी ने राजनीतिक गलियारे में हलचल पैदा कर दी है और मणिपुर के हालात पर फिर से केंद्र और विपक्ष के बीच बहस को तेज कर दिया है।

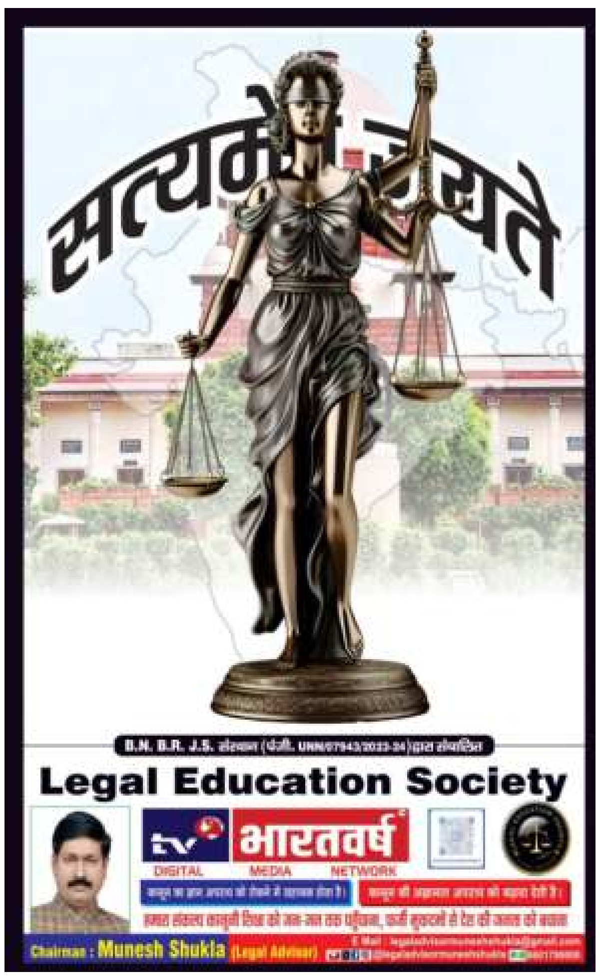

एस्ट्रोनॉट बनने का सपना: जरूरी पढ़ाई और योग्यताएं

एस्ट्रोनॉट बनने का सपना कई युवाओं का होता है, लेकिन यह किसी भी सामान्य पेशे की तरह आसान नहीं है। इसके लिए उच्च शिक्षा, विशेषज्ञता और शारीरिक–मानसिक तैयारी की आवश्यकता होती है। भारत और विदेश दोनों में अंतरिक्ष एजेंसियां ऐसे उम्मीदवार चुनती हैं जिनमें विज्ञान, इंजीनियरिंग और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट संतुलन हो।एस्ट्रोनॉट बनने के लिए सबसे पहले मजबूत शैक्षणिक नींव जरूरी है। आम तौर पर उम्मीदवारों को भौतिकी, गणित, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में दक्ष होना चाहिए। इसके बाद अधिकांश अंतरिक्ष एजेंसियां इंजीनियरिंग, मेडिकल या पायलटिंग में उच्च शिक्षा प्राप्त उम्मीदवारों को प्राथमिकता देती हैं।भारत में ISRO (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) और विदेशों में NASA (अमेरिका), ESA (यूरोप) जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां उम्मीदवारों का चयन करती हैं। विशेष रूप से एयरोस्पेस, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर इंजीनियरिंग या मेडिकल क्षेत्र में

डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों को बढ़त मिलती है।कई अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए पहले उम्मीदवार को वैज्ञानिक, इंजीनियर या पायलट के रूप में अनुभव होना जरूरी है। इसके बाद चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, साक्षात्कार और मेडिकल टेस्ट शामिल होते हैं। सफल उम्मीदवारों को गहन प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें अंतरिक्ष यान संचालन, गुरुत्वाकर्षण में जीवन, तकनीकी उपकरणों का प्रयोग और आपात स्थिति में प्रतिक्रिया शामिल होती है। प्रशिक्षण का उद्देश्य उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से अंतरिक्ष के कठिन वातावरण के लिए तैयार करना है।एस्ट्रोनॉट बनने के लिए उत्कृष्ट फिटनेस और मानसिक सहनशीलता अत्यंत आवश्यक है। अंतरिक्ष में लंबी अवधि तक रहना, शून्य गुरुत्वाकर्षण का सामना करना और confined environment में काम करना चुनौतीपूर्ण होता है। इसलिए उम्मीदवारों को नियमित व्यायाम, सिमुलेटर ट्रेनिंग और मानसिक दृढ़ता विकसित करने पर ध्यान देना होता है।एस्ट्रोनॉट बनने का मार्ग लंबा, चुनौतीपूर्ण और अनुशासित है। सही शिक्षा, अनुभव और शारीरिक–मानसिक तैयारी के बिना अंतरिक्ष में सफल होना मुश्किल है। इसके साथ ही टीम वर्क, नेतृत्व और समस्या सुलझाने की क्षमता भी जरूरी है। यही वजह है कि यह पेशा केवल बेहद प्रतिभाशाली और समर्पित लोगों के लिए है।यदि युवा इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो उन्हें सटीक कोर्स, अंतरिक्ष एजेंसियों की योग्यता और प्रशिक्षण प्रक्रिया की जानकारी रखते हुए लंबी और मेहनती तैयारी करनी होगी।

सलमान आगा का बड़ा बयान: टीम इंडिया से टक्कर को तैयार, उस्मान तारिक होंगे ट्रम्प कार्ड

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। इसी बीच पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा का बड़ा बयान सामने आया है। सलमान अली आगा ने कहा है कि आगामी भारत-पाकिस्तान मैच क्रिकेट भावना के साथ खेला जाना चाहिए, और साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी टीम पारंपरिक हाथ मिलाने के लिए तैयार है। रविवार को होने वाले इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, पाकिस्तानी कप्तान ने कहा कि अंतिम निर्णय भारत पर निर्भर करता है। आगा ने कहा कि क्रिकेट भावना के साथ खेला जाना चाहिए। मेरी निजी राय मायने नहीं रखती, लेकिन क्रिकेट उसी तरह खेला जाना चाहिए जैसे हमेशा से खेला जाता रहा है। यह उन पर निर्भर करता है कि वे क्या करना चाहते हैं। अली आगा ने यह भी कहा कि भारतीयों के खिलाफ हमारा रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन हम इतिहास नहीं बदल सकते। हर दिन एक नया दिन होता है। ये टिप्पणियां हाथ मिलाने के विवाद के संदर्भ में आई हैं। अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत ने एशिया कप 2025 में दोनों टीमों के बीच हुए मैच के दौरान हाथ मिलाने की प्रथा को नकार दिया था। टॉस के समय, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था, और ग्रुप स्टेज में जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी सीधे डगआउट में लौट गए थे। सलमान अली आगा ने कहा कि उस्मान तारिक को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा क्लीन चिट दे दी गई है और रविवार को होने वाले बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान टी20 विश्व कप 226 मुकाबले से पहले उनके आसपास चल रही चर्चाओं से वे अप्रभावित हैं।

विंटर ओलंपिक्स में टीम इंडिया की चुनौती, Stanzin Lundup स्कीइंग रेस में 104वें स्थान पर

एक्शन पर उठे सवाल, कप्तान ने तोड़ी चुप्पी

क्रिकेट जगत में इन दिनों गेंदबाज उस्मान तारिक का गेंदबाजी एक्शन चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल ही में खेले गए मुकाबले के दौरान कुछ विशेषज्ञों और पूर्व खिलाड़ियों ने उनके एक्शन को लेकर सवाल उठाए, जिसके बाद सोशल मीडिया पर भी बहस तेज हो गई। प्रशंसकों के बीच यह मुद्दा चर्चा का केंद्र बन गया कि उनका एक्शन नियमों के दायरे में है या नहीं।मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब टीम के कप्तान से इस विवाद पर सवाल पूछा गया तो उनका जवाब चौंकाने वाला रहा। कप्तान ने साफ शब्दों में कहा कि टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों को अपने गेंदबाज पर पूरा भरोसा है और फिलहाल उन्हें किसी तरह की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) को एक्शन में कोई तकनीकी खामी नजर आती है तो वह अपनी प्रक्रिया के तहत जांच कराएगी, लेकिन टीम के स्तर पर इसे लेकर कोई संशय नहीं है।कप्तान ने यह भी स्पष्ट किया कि आधुनिक क्रिकेट में स्लो-मोशन कैमरे और अलग-अलग एंगल के कारण कई बार सामान्य एक्शन भी संदिग्ध लगने लगता है। उन्होंने खिलाड़ियों का मनोबल बनाए रखने पर जोर देते

हुए कहा कि बिना आधिकारिक रिपोर्ट के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।गौरतलब है कि आईसीसी के नियमों के अनुसार गेंदबाज के हाथ का झुकाव (Elbow Extension) तय सीमा के भीतर होना चाहिए। यदि अंपायरों को मैच के दौरान संदेह होता है तो वे गेंदबाज को रिपोर्ट कर सकते हैं, जिसके बाद बायोमैकेनिकल टेस्टिंग कराई जाती है। जांच में एक्शन अवैध पाए जाने पर गेंदबाज को सुधार के बाद ही दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी की अनुमति मिलती है।

कोलंबो में टीम इंडिया का रिकॉर्ड:

भारतीय क्रिकेट टीम का श्रीलंका के कोलंबो मैदानों से पुराना और खास रिश्ता रहा है। एशियाई क्रिकेट के कई यादगार मुकाबले इसी शहर में खेले गए हैं और आंकड़े बताते हैं कि कोलंबो टीम इंडिया के लिए अक्सर भाग्यशाली साबित हुआ है। वनडे, टेस्ट और टी-20—तीनों फॉर्मेट में भारत ने यहां कई ऐतिहासिक जीत दर्ज की हैं।कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम और सिंहली स्पोर्ट्स क्लब (SSC) ग्राउंड पर भारत का रिकॉर्ड विशेष रूप से प्रभावशाली रहा है। वनडे क्रिकेट में भारतीय टीम ने यहां कई अहम मुकाबले जीते हैं, जिनमें एशिया कप के मैच भी शामिल हैं। 2017 के श्रीलंका दौरे पर भारत ने कोलंबो में मेजबान टीम को हराकर सीरीज पर कब्जा जमाया था, वहीं कई बार बड़े लक्ष्य का सफल पीछा भी यहीं किया गया है।टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो 2015 में विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। उस जीत ने न केवल सीरीज भारत के नाम की बल्कि विदेशी धरती पर टीम के आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई दी। स्पिनरों और तेज गेंदबाजों—दोनों ने कोलंबो की पिचों पर शानदार प्रदर्शन किया है।व्यक्तिगत प्रदर्शन भी कम यादगार नहीं रहे। सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे बल्लेबाजों ने यहां महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं, जबकि गेंदबाजी में अनिल कुंबले और रविचंद्रन अश्विन ने कई बार श्रीलंकाई बल्लेबाजी को मुश्किल में डाला।

ओमान टी20 वर्ल्ड कप से बाहर, आयरलैंड ने दी करारी हार

ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-बी मैच नंबर-22 में शनिवार (14 फरवरी) को आयरलैंड ने ओमान को 96 रनों से हराकर टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर किया। यह मुकाबला सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब, कोलंबो में खेला गया। इस हार के साथ ही ओमान टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई।मौके पर आयरलैंड ने ओमान को जीत के लिए 236 रनों का विशाल टारगेट दिया। ओमान की टीम ने इसके जवाब में संघर्ष किया, लेकिन सिर्फ 18 ओवर में 139 रनों पर ही समेट गई। आयरलैंड की शानदार गेंदबाजी और ओमान की बल्लेबाजी में कमी ने इस बड़े अंतर से जीत सुनिश्चित की।ओमान के लिए सलामी बल्लेबाज आमिर कलीम और हम्माद मिर्जा ही संघर्ष कर पाए। आमिर कलीम ने 29 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। वहीं हम्माद मिर्जा ने 37 गेंदों में 6 चौके और 1 छक्का लगाकर 46 रन का योगदान दिया। इसके बावजूद टीम का स्कोर निर्धारित लक्ष्य तक नहीं पहुँच सका।आयरलैंड की तरफ से जोश लिटिल ने सर्वाधिक तीन विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई। इसके अलावा बैरी मैकार्थी और मैथ्यू हम्फ्रीज ने दो-दो विकेट हासिल किए। उनके प्रयासों से ओमान की बल्लेबाजी पूरी तरह विफल रही।ओमान की हार के पहले मैचों का रिकार्ड भी खराब रहा। टीम को अपने पहले मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद ओमान को श्रीलंका ने 105 रनों से करारी शिकस्त दी थी। इसी के साथ ग्रुप-स्टेज से बाहर होने की राह और आसान हो गई।वहीं, आयरलैंड ने पहले मैच में श्रीलंका के हाथों 20 रनों से हार झेली थी। दूसरे मुकाबले में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 67 रनों से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। हालांकि, ओमान के खिलाफ इस जीत से आयरलैंड ने टूर्नामेंट में अपनी वापसी का संकेत दिया।ग्रुप-बी की स्थिति अब बहुत स्पष्ट हो गई है। ओमान के बाहर होने के बाद अन्य टीमों के लिए

क्वालिफिकेशन की राह खुल गई है। आयरलैंड की यह जीत टीम के मनोबल को भी बढ़ाएगी और भविष्य के मैचों में उनकी प्रदर्शन क्षमता को उजागर करेगी।इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि टी20 वर्ल्ड कप में बड़े स्कोर का पीछा करना हमेशा आसान नहीं होता। आयरलैंड की गेंदबाजी की रणनीति और disciplined प्रदर्शन ने ओमान को लक्ष्य तक पहुँचने नहीं दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई लग्जरी पार्टी की वीडियो

शेखों की पार्टी में बंटे 'सोने के बिस्किट'?

सऊदी अरब की पार्टी में सोने के बिस्किट बांटने का वायरल वीडियो दरअसल एक भ्रम है। जिसे लोग असली सोना मान रहे हैं, वह गोल्ड फॉइल में लिपटी लेबनानी ब्रांड 'Patchi' की लग्जरी चॉकलेट है.

शेखों की पार्टी में गोल्ड बिस्किट बांटने का वीडियो वायरल है. (Photo: X/Frontalforce)

सऊदी अरब के शेखों की बात हो और गोल्ड की बात ना हो, ऐसा कम ही होता है. सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिख रहा है कि शेखों की पार्टी चल रही है और उसमें 'सोने के बिस्किट' बांटे जा रहे हैं. इस वीडियो के वायरल होने के बाद लोग शेखों की अमीरी के बारे में बात कर रहे हैं कि वहां गोल्ड की वैल्यू कितनी कम है कि लोगों को खाने के आइटम की तरह सोने के बिस्किट बांटे जा रहे हैं. ऐसे में जानते हैं कि आखिर क्या सच में शेखों की पार्टी में सोने के बिस्किट बांटे जाते हैं या वीडियो की सच्चाई कुछ और है...

वीडियो में क्या है?

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें दिख रहा है कि कई लोग शेख जैसे कपड़ों में है. उन्होंने सिर पर कपड़े के साथ अगाल (काली रिंग) पहन रखी है. इसमें कई शेख कुर्सी पर बैठे हैं, तभी एक शख्स आता है, जिसके डिब्बे में सोने के बिस्किट जैसे दिखने वाला एक आइटम रखा रहता है. वो सभी के सामने डिब्बा पेश करता है और सब सोने जैसे इस आइटम को उठा लेते हैं.

दुबई की लग्जरी छोड़ केरल की वादियों में सुकून

आजकल कई लोग बेहतर कमाई के लिए विदेश जाते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो सुकून और संतुलन के लिए वापस अपने देश लौट रहे हैं. ऐसी ही कहानी है केरल की लीबा सुबिन की, जो हाल ही में दुबई से अपने परिवार के साथ भारत लौट आईं. उन्होंने इंस्टाग्राम पर बताया कि उन्होंने यह फैसला क्यों लिया. लीबा ने कहा कि यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं था.

चैरिटी शॉप में महिला को मिला कीमती खजाना

महिला ने 500 रुपये में खरीदे 1 लाख के झुमके

एक महिला ने चैरिटी शॉप से एक पुराना झुमका खरीद लाई. तब उसे पता नहीं था कि असल में इसकी कितनी कीमत हो सकती है. क्योंकि, वह पुराने सामान खरीदने की शौकीन है, इसलिए वह अक्स चैरिटी शॉप जाती रहती थी. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने जो पुराने झुमके खरीदे थे, वो डिजाइनर यवेस सेंट लॉरेंट के झुमके थे. जिन्हें उसने 4 पाउंड से भी कम में खरीदा. इस समझदार खरीदार का नाम सवाना निकोलसन है. उन्होंने बताया कि हाल ही में चैरिटी शॉप की अपनी खरीदारी के बाद उन्हें पता चला कि यह उनकी अबतक की शानदार खोज थी.

पेट्रोल पंप मालिक का गजब पोस्टर वायरल

धूम्रपान करने वालों को दिया करारा ताना

सोशल मीडिया पर रोजाना कई तरह के वीडियो वायरल होते रहते हैं. कभी वो वीडियो आपको खूब हंसाते हैं तो, कभी खूब रुलाते हैं. इन दिनों पेट्रोल पंप का एक वीडियो आग की तरह फैल रहा है. इस वीडियो को देख सोशल मीडिया पर मानों कोहराम मच गया है. पंप पर लगे इस पोस्टर ने हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया है.

वैसे तो किसी भी पेट्रोल पंप पर धूम्रपान निषेध के सिंपल पोस्टर लगे रहते हैं लेकिन इस पोस्टर में चेतावनी के साथ एक ऐसी लाइन लिखी थी कि जो भी इस पढ़ रहा है, वह हंसने पर मजबूर हो जा रहा है और साथ ही इस लाइन को देखकर हैरान भी हैं. वीडियो में लगे पोस्टर में लिखा है कि धूम्रपान निषेध, आपकी जिंदगी भले ही बेकार हो, लेकिन हमारा पेट्रोल बहुत महंगा है. इस पोस्टर को देखकर यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक ओर जहां धूम्रपान से होने वाली गंभीर बीमारी को लेकर लोगों को सतर्क किया गया है, तो उन्हीं लोगों को ताना भी दिया जा रहा है. पेट्रोल जैसी ज्वलनशील वस्तु के पास धूम्रपान करना बहुत खतरनाक हो सकता है. इस बात हर कोई जानता है लेकिन लोग कभी फॉलो नहीं करते हैं, लेकिन इस पोस्टर ने चेतावनी को अलग अंदाज में लिख लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है. इस वीडियो को देखने के बाद से लोग खूब हंस रहे हैं. सोशल मीडिया रेडिट पर भी इसकी खूब चर्चा हो रही है. वहीं, अपनी अलग-अलग प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं.

कार्तिक आर्यन पर प्रशांत नारायण का तंज:

"अभिनय कमजोर, फिर भी इंडस्ट्री में टिके"

फिल्म इंडस्ट्री में अपने नकारात्मक किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता प्रशांत नारायण ने हाल ही में एक बयान देकर चर्चा छेड़ दी है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन के अभिनय पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें कार्तिक का अभिनय प्रभावशाली नहीं लगता।प्रशांत नारायण ने कहा कि कार्तिक आर्यन की एक्टिंग सीमित दायरे में दिखाई देती है और वे किरदारों में गहराई नहीं ला पाते। उनके मुताबिक, अभिनय केवल लोकप्रियता या स्टारडम से नहीं बल्कि किरदार की समझ और अभिव्यक्ति से मजबूत होता है। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि दर्शकों के बीच लोकप्रिय होने और अच्छा अभिनेता होने में अंतर होता है।हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कार्तिक आर्यन की फिल्मों की मार्केटिंग, उनकी युवा दर्शकों में लोकप्रियता और हल्के-फुल्के मनोरंजन वाली फिल्मों का चुनाव उन्हें लगातार काम दिला रहा है। उनका मानना है कि मौजूदा दौर में बॉक्स ऑफिस अपील और सोशल मीडिया मौजूदगी कई बार अभिनय क्षमता से ज्यादा प्रभावी साबित हो जाती है।प्रशांत नारायण के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। कार्तिक आर्यन के प्रशंसक जहां अभिनेता के समर्थन में उतर आए हैं, वहीं कुछ लोग इसे फिल्म इंडस्ट्री में प्रतिभा और स्टारडम के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा से जोड़कर देख रहे हैं। अभी तक कार्तिक आर्यन की ओर से इस टिप्पणी पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।फिल्म विश्लेषकों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में कार्तिक आर्यन ने रोमांटिक-कॉमेडी और फैमिली एंटरटेनर फिल्मों के जरिए एक खास दर्शक वर्ग तैयार किया है, जिससे उनकी बॉक्स ऑफिस पकड़ मजबूत हुई है। यही कारण है कि निर्माता-निर्देशक उन्हें व्यावसायिक रूप से सुरक्षित विकल्प मानते हैं। दूसरी ओर, आलोचकों का एक वर्ग मानता है कि अलग-अलग तरह के किरदारों में प्रयोग करना किसी भी अभिनेता के करियर के लिए जरूरी होता है, जिससे अभिनय क्षमता का विस्तार होता है।

इंडस्ट्री के जानकारों के मुताबिक, इस तरह के बयान अक्सर फिल्मों की रिलीज, स्टार इमेज और दर्शकों की पसंद को लेकर चल रही बहस को भी सामने लाते हैं। कई कलाकारों का मानना है कि आज के दौर में स्टारडम, पब्लिसिटी और डिजिटल उपस्थिति करियर को तेजी से आगे बढ़ा सकती है, लेकिन लंबे समय तक टिके रहने के लिए अभिनय कौशल की भूमिका अहम होती है। ऐसे में यह विवाद एक बार फिर इस सवाल को केंद्र में ले आया है कि बॉलीवुड में सफलता का असली पैमाना प्रतिभा है या लोकप्रियता।

सीएम योगी बोले- गलत जांच रिपोर्ट पर तुरंत FIR, 150 लोगों की समस्याएं सुनी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ FIR दर्ज की जाए। उन्होंने 150 लोगों की समस्याएं सुनी, समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बच्चों और गायों के प्रति स्नेह भी दिखाया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी मामले में गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। उन्होंने पीड़ितों की मदद में लापरवाही न करने और हर मामले का समयबद्ध, निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है और उनकी समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही सख्त निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी और ऐसे मामलों में सीधे कार्रवाई की जाएगी।जनता दर्शन के दौरान कुछ शिकायतें इस तरह की भी आईं, जिनमें आरोप था कि जांच रिपोर्ट गलत तरीके से तैयार की गई। इस पर सीएम योगी ने कहा कि पता लगाकर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ FIR दर्ज कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीड़ितों की मदद में किसी भी तरह की ढिलाई या शिथिलता कतई बर्दाश्त नहीं होगी। किसी भी स्तर पर जानबूझकर प्रकरण लंबित रखा गया है, तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।सीएम योगी ने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर भी अधिकारियों को विधिसम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी पीड़ित की समस्या के समाधान में कोई बाधा न आए और अगर कहीं कोई परेशानी है, तो उसका तुरंत निराकरण कराया जाए।जनता दर्शन में इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया जल्द पूरी कर शासन को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद प्रदान की जाएगी।सीएम योगी ने बच्चों और गायों के प्रति स्नेह भी प्रदर्शित किया। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को उन्होंने चॉकलेट दी और उन्हें पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का भ्रमण किया और गोशाला में जाकर गायों को अपने हाथों से गुड़ खिलाया।मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा के समक्ष शीश झुकाया। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर और गोशाला का भ्रमण किया, जिससे यह साफ संकेत मिला कि प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी उनके प्राथमिक कार्यों में शामिल है।योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की हीलाहवाली या विलंब की स्थिति पैदा नहीं होने दी जाएगी। उनका संदेश था कि प्रशासन और पुलिस पूरी तरह से जिम्मेदारी के साथ जनता की सेवा में लगे।इस जनता दर्शन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से लोगों की समस्याओं को सुनते हैं और उन्हें समय पर समाधान सुनिश्चित कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित करते हैं। साथ ही, बच्चों, गायों और धार्मिक संस्थाओं के प्रति उनका स्नेहपूर्ण व्यवहार भी उनकी जनकल्याणकारी छवि को प्रदर्शित करता है।

शादी से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, आधी रात डिलीवरी बॉय ने पहुंचाया अस्पताल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के ठाकुरगंज क्षेत्र के रहने वाले 28 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक आलमबाग में एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहा था, तभी लंगड़ा फाटक के पास कोई वाहन उसकी बाइक को टक्कर मारकर फरार हो गया। वह सड़क पर तड़प रहा था तो एक डिलीवरी बॉय ने उसे अस्पताल पहुंचाया लेकिन बचाया नहीं जा सका। कैंपल रोड स्थित रीफा कॉलोनी ठाकुरगंज निवासी नितिन कुमार (28) पुत्र ज्ञान प्रकाश एक प्राइवेट कंपनी में काम रहते थे। परिवार में मां प्रतिमा सिंह और छोटा भाई वैभव हैं। परिजनों के मुताबिक, नितिन शुक्रवार रात आलमबाग के होटल में शादी समारोह में शामिल होने गया था। रात में करीब 1 बजे वो वापस लौट रहा था। तभी किसी अज्ञात गाड़ी ने उसको टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि नितिन गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से भाग निकला। स्थानीय लोगों की सूचना पर वहां से गुजर रहे एक डिलीवरी बॉय ने मानवता दिखाते हुए नितिन को तत्काल लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के चलते उनकी जान नहीं बच सकी। डिलीवरी बॉय ने ही नितिन के मोबाइल से परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे। परिजनों के मुताबिक स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे में संभवतः ब्रेजा कार शामिल थी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

लखनऊ में धमाके के साथ जला डंपर

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। मौरंग से लदा एक डंपर अचानक टायर फटने के बाद अनियंत्रित होकर एलिवेटेड रोड के पिलर से टकरा गया, जिसके तुरंत बाद उसमें भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि करीब 45 मिनट तक डंपर धू-धू कर जलता रहा। इस दौरान उठती लपटें ऊपर बने एलिवेटेड रोड तक पहुंच रही थीं और आसपास का आसमान घने धुएं से पूरी तरह काला हो गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से झुलस गया, जबकि खलासी भी घायल हुआ है।घटना रात करीब 11:30 बजे बंथरा बाजार के दादूपुर मोड़ के पास हुई। जानकारी के अनुसार, Uttar Pradesh के उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के सिरौती गांव निवासी महेश प्रसाद डंपर (संख्या UP-79-AT-6069) से मौरंग लादकर आलमबाग (लखनऊ) की ओर जा रहे थे। डंपर सामान्य गति से आगे बढ़ रहा था कि अचानक उसके अगले दाहिने पहिये में तेज धमाके के साथ टायर फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। टायर फटने के बाद डंपर अनियंत्रित हो गया। चालक महेश प्रसाद वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सके और डंपर सीधे एलिवेटेड रोड के पिलर संख्या-123 से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के तुरंत बाद डंपर में शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे उसमें आग लग गई। कुछ ही पलों में आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया और लपटें तेजी से ऊपर की ओर उठने लगीं।हादसे में चालक महेश प्रसाद गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि क्लीनर अनूप को भी आंशिक चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने बिना देर किए पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में दो दमकल गाड़ियां मौके पर रवाना की गईं। दमकल

कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया।करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड टीम ने आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक डंपर पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि घटनास्थल के आसपास अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने कुछ समय के लिए यातायात रोक दिया।घायल चालक महेश प्रसाद को तत्काल लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। क्लीनर अनूप का भी उपचार कराया जा रहा है। इस घटना के कारण कानपुर रोड पर कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में टायर फटने को हादसे का कारण माना जा रहा है, हालांकि अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही दुर्घटना के सटीक कारणों का पता चल सकेगा।

सस्ता हुआ राष्ट्र प्रेरणा स्थल के म्यूजियम का टिकट

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के बसंतकुंज स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल आने वाले दर्शकों के लिए राहत की खबर है। LDA ने म्यूजियम का प्रवेश शुल्क 50 रुपए से घटाकर 35 रुपए कर दिया है। संचालन समिति की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद नई दरें लागू कर दी गई हैं। हालांकि, पार्क का प्रवेश शुल्क पहले की तरह 15 रुपए ही रहेगा।

स्थल का लोकार्पण 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। करीब 65 एकड़ में विकसित इस परिसर के संचालन के लिए शासन स्तर पर उच्चस्तरीय समिति गठित है, जिसकी अध्यक्षता आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव करते हैं। एलडीए वीसी सदस्य सचिव हैं, जबकि वित्त, नगर विकास, पर्यटन, संस्कृति, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव व मंडलायुक्त सदस्य हैं। म्यूजियम में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन से जुड़े प्रसंगों का सजीव चित्रण किया गया है। 98,000 वर्ग फीट क्षेत्रफल में निर्मित है। इसमें पांच गैलरी में फोटो, स्टोन म्यूरल्स और डिजिटल पैनल लाइव ऑडियो-वीडियो विजुअल्स की सुविधा है। वीवीआईपी और

UPSC स्टूडेंट से 25 करोड़ का बैंक फ्रॉड

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

वाराणसी के रहने वाले UPSC छात्र के अकाउंट से साइबर ठगों ने 25 करोड़ का लोन निकाल लिया। छात्र का ICICI बैंक में सेविंग अकाउंट का था। ठगों ने छात्र के पैन का दुरुपयोग करते हुए इस अकाउंट को करंट अकाउंट में करा दिया। इसके बाद एक फर्जी फर्म दिखाकर 25 करोड़ का निगेटिव लियन (रिटर्न) ले लिया। निगेटिव लियन एक तरह का लोन होता है। जब छात्र ने ऑनलाइन पेमेंट किया तो पेमेंट नहीं हो सका। इसके बाद उसे फ्रॉड की जानकारी हुई। UPSC छात्र अनुराग मिश्रा का कहना है- कि मैं लखनऊ में रहकर UPSC की तैयारी करता हूं। जनवरी में मैं दिल्ली में था। 17 जनवरी को मैं लाइब्रेरी का पेमेंट कर रहा था, लेकिन पेमेंट नहीं हुआ। इसके बाद अकाउंट चेक किया तो 25,59,15,000 का निगेटिव लियन (लोन) दिखाने लगा। इसके बाद मैंने अपने घरवालों को बताया। लखनऊ की ICICI बैंक शाखा से धोखाधड़ी के बारे में पता चला। इसके बाद परिजनों ने 13 फरवरी को वाराणसी साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

छोटे उद्योगों के लिए राहत भरी खबर, लखनऊ में प्रॉपर्टी टैक्स से छूट

लखनऊ में छोटे उद्योगों को टैक्स से राहत मिल गई है। सरकार ने सितंबर-2025 के बाद से प्रॉपर्टी टैक्स माफ कर दिए हैं। कई बड़े शहरों के मॉडल अपनाने की तैयारी चल रही है, जिसके तहत अब प्रॉपर्टी टैक्स को भी आवासीय के बराबर कर दिया जाएगा।

सूक्ष्म और लघु उद्यमियों की मांग पर सरकार ने हामी भरी। उसके बाद सितंबर-2025 से लेकर अब (फरवरी-2026) तक उद्योगों पर लगने वाले प्रॉपर्टी टैक्स को आवासीय के बराबर कर दिया गया था। इससे लखनऊ के सूक्ष्म और लघु उद्यमियों को करीब 30 करोड़ रुपए की राहत मिली है, जिसे उन्हें टैक्स के रूप में जमा नहीं करना पड़ा। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी विनय राय का कहना है कि फैसला लागू होने के बाद लोगों को राहत मिली है। पहले आवासीय घरों की तुलना में 3 गुना टैक्स उद्योगों पर लगाया जाता था। अब इस मामले में कुछ बड़े शहरों के मॉडल्स पर विचार किया जा रहा है। लघु उद्योग भारती की तरफ से दिए गए प्रस्ताव और मांग के बाद सरकार की तरफ से उद्यमियों को राहत दी गई थी। अब इसके स्थाई रूप से समाधान करने की तैयारी विभाग ने शुरू कर दी है। इसको लेकर नगर निकाय सेवा से जुड़े अधिकारियों की बैठक भी हुई है। इसमें यह फैसला करने की तैयारी है कि कैसे बीच का रास्ता निकालते हुए उद्यमियों को राहत दी जाए। और नगर निगम की आय भी खत्म न हो। इसके लिए अब नासिक, अहमदाबाद, नागपुर सहित अन्य शहरों के मॉडल पर विचार किया जा रहा है कि वहां किस तरह से काम हो रहा। इसके बाद इसपर अंतिम फैसला लिया जाएगा। तालकटोरा, चिनहट, सरोजनीनगर, नादरगंज सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 1500 इकाइयां हैं। इसके अलावा शहर के अन्य हिस्सों में एमएसएमई इकाई की संख्या 1,11,587 है। यह प्रदेश में नंबर-1 पर है, जबकि गाजियाबाद 1,03,301 और कानपुर 82,323 भी लखनऊ से पीछे हैं। उद्यमियों का गृहकर आवासीय के बराबर कर दिया गया है। यह आदेश प्रदेश के 17 नगर निगमों के बाद अब सभी नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत में भी लागू कर दिया गया है। इससे कम

से कम 10 लाख छोटे उद्यमियों को फायदा होगा। ये उद्यमी अभी तक आवासीय का तीन गुना हाउस टैक्स दे रहे थे। हालांकि, मध्यम श्रेणी और बड़े उद्यमियों को गृहकर का तीन गुना टैक्स देना होगा। उद्यमी बताते हैं कि गृहकर की गणना इमारत की कीमत के 15 फीसदी रेंटल वैल्यू से की जाती है। फिर उस 15 फीसदी पर 7 फीसदी गृहकर लिया जाता है। उद्यमियों को इसका तीन गुना देना पड़ता है। इस बोझ से राहत मिल गई है।

अखिलेश यादव ने शंकराचार्य पर टिप्पणी को बताया शाब्दिक हिंसा और पाप

भाजपा पर लगाया महाकुंभ में मौतों व मुआवजे में गड़बड़ी का आरोप

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में शंकराचार्य पर किए गए विवादित बयान को कड़ी निंदा करते हुए इसे शाब्दिक हिंसा और पाप करार दिया। उन्होंने भाजपा पर महाकुंभ में हुई मौतों के आंकड़ों में पारदर्शिता न रखने और मुआवजे में भ्रष्टाचार की गंभीर शिकायतें उठाई। अखिलेश यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट के माध्यम से भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लिखा, "पहन ले कोई जैसे भी 'चोले' पर उसकी वाणी पोल खोले। परम पूज्य शंकराचार्य जी के बारे में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना शाब्दिक हिंसा है और पाप भी । ऐसा कहने वाले के साथ-साथ जिन्होंने चापलूसी में मेजें थपथपाई हैं, उन्हें भी पाप पड़ेगा।"सपा प्रमुख ने अपने बयान में भाजपा नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि जब वे सदन के बाहर जनता का सामना करेंगे, तो जनता सड़क पर उनका "सदन" लगा देगी। उन्होंने महाकुंभ में हुई मौतों और मुआवजे के मुद्दे पर कहा, "जो सही आंकड़े नहीं बताते, कैश में मुआवजा देते समय भ्रष्टाचार करते हैं और जिन तक मुआवजा नहीं पहुंचा, उसका हिसाब नहीं देते; अपने ऊपर लगे मुकदमे हटवाते हैं, उन्हें किसी और के 'धर्म-पद' पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है।"अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखे लहजे में सवाल उठाए और लिखा कि उनकी सरकार 'कानून का शासन' का ढोंग कर रही है। उन्होंने पूछा कि जब उनका ध्यान इस पर जाएगा तो क्या वे 'विधि का शासन' बोलने के लिए फिर से सदन बुलाएंगे या इसके लिए 'लड़खड़ाता प्रायश्चित' करेंगे। उन्होंने कहा, "जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है, तो यही होता है। अहंकार संस्कार को विकार में बदल देता है। वो व्यक्ति समाज में मान-सम्मान खो देता है, जिसके बारे में यह कहावत प्रचलित हो जाती है कि 'जब मुंह खोला, तब बुरा बोला।'"सपा प्रमुख ने भाजपा नेताओं की राजनीति पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, "'हाता नहीं भाता' का यही विस्तारित रूप है, यही सच्ची सच्चाई है। जिस समाज के खिलाफ रहकर उन्होंने हमेशा अपनी नफ़रत की राजनीति की है, उसे धर्म के मामले में भी अपमानित-पराजित करने का यह उनका अहंकार है। उनके बस चले तो विवादित फिल्म का नाम बदलने की ज़रूरत नहीं समझते और टैक्स फ्री भी कर देते।"अखिलेश यादव ने चेताया कि अगले चुनाव में समाज भाजपा को इसकी सजा देगा। उन्होंने कहा, "जनता एक-एक वोट उनके खिलाफ डालेगी, अपने अपमान और उनके प्रदेश अध्यक्ष के नोटिस का सही जवाब देगी। उनकी सरकार हटाकर नई सरकार बनाएगी, फिर आराम से मिलजुलकर बेधड़क दाल-बाटी खाएगी।"सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि शंकराचार्य पर दिया गया अभद्र बयान सदन में हमेशा के लिए दर्ज हो गया है। उन्होंने इसे निंदनीय बताते हुए कहा कि निंदा शब्द भी इस कृत्य की गंभीरता को व्यक्त करने में कम पड़ता है।अखिलेश यादव ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वे धर्म और आस्था का राजनीतिक लाभ उठाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह समाज की भावनाओं का अपमान है और ऐसे बयान लोकतांत्रिक मूल्यों और धार्मिक सहिष्णुता के खिलाफ हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे इस मामले में सजग रहें और अपने अधिकारों का प्रयोग करें।सपा प्रमुख ने अपने बयान में यह भी स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल आलोचना करना नहीं है, बल्कि धर्म और आस्था के मामलों में सरकार की जवाबदेही को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, "भाजपा का अहंकार और अपने हितों के लिए धर्म का इस्तेमाल करने की नीति समाज के लिए हानिकारक है। इसे रोकना और इसे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के तहत जिम्मेदार ठहराना हमारी जिम्मेदारी है।"इस बयान के माध्यम से अखिलेश यादव ने भाजपा और उसकी नीतियों पर तीखी टिप्पणी की और स्पष्ट किया कि शंकराचार्य के प्रति किए गए अपमानजनक बयानों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल राजनीति नहीं, बल्कि धर्म और समाज की भावना का मुद्दा है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का पलटवार, बोले- हमें सरकारी प्रमाण की जरूरत नहीं

टीवी भारतवर्ष वाराणसी

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मुख्यमंत्री योगी के बयान पर तीखा पलटवार किया है। शनिवार को वाराणसी में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा- सनातन धर्म में शंकराचार्य की पहचान किसी राजनीतिक प्रमाणपत्र से नहीं होती। सरकार या कोई राजनीतिक दल यह तय नहीं करेगा कि कौन शंकराचार्य होगा।अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- सनातन में ऐसी कोई परंपरा नहीं कि कोई मुख्यमंत्री या सरकार प्रमाणपत्र देकर शंकराचार्य नियुक्त करे। इन्होंने स्वामी वासुदेवानंद जी को शंकराचार्य का प्रमाणपत्र दिया। उन्हें हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने रोक रखा है। कोर्ट बार-बार कह रही है कि इन्हें शंकराचार्य न कहा जाए।उन्होंने कहा- सपा ने शंकराचार्य को मारा था। आप भी मार चुके हो। मतलब सपा ने जिसे मारा, उसे हम भी मार सकते हैं। अगर यही परिभाषा है, तो सपा से अलग कैसे हो सकते हो? जो अहंकार 2015 में अखिलेश के माथे पर चढ़ा था, वही अहंकार चढ़ गया है। अखिलेश तो बर्बाद हो गए। अब इनका देखिएगा।शंकराचार्य ने आगे कहा- गोरखनाथ की वाणी में स्पष्ट है कि जो योगी बन गया, उसे राजपाट से दूर रहना चाहिए। राजा योगी बन सकता है, लेकिन योगी फिर से राजा नहीं बनता। तो सवाल यह है कि अगर आप योगी हैं, विरक्त हैं, तो मुख्यमंत्री सत्ता स्वीकार कैसे कर रहे हैं?दरअसल, शुक्रवार को सदन में मुख्यमंत्री ने अविमुक्तेश्वरानंद के मुद्दे पर पहली बार अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था- हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं लिख सकता। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। इसी बयान के बाद शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने विस्तार से अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में शंकराचार्य की नियुक्ति और पहचान का अपना धार्मिक और आध्यात्मिक आधार है, जिसे किसी राजनीतिक या प्रशासनिक हस्तक्षेप से तय नहीं किया जा सकता। उनका कहना था कि धर्म की व्यवस्था धर्माचार्यों और परंपरा से संचालित होती है, न कि सरकारों के आदेश से।उन्होंने स्वामी वासुदेवानंद जी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें शंकराचार्य का प्रमाणपत्र दिया गया, जबकि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने रोक रखा है। कोर्ट बार-बार कह रही है कि इन्हें शंकराचार्य न कहा जाए। ऐसे में सरकार की भूमिका पर सवाल उठता है।अविमुक्तेश्वरानंद ने सपा का जिक्र करते हुए कहा- सपा ने शंकराचार्य को मारा था। आप भी मार चुके हो। उन्होंने कहा कि यदि यही परिभाषा है कि सपा ने जिसे मारा, उसे हम भी मार सकते हैं, तो फिर अंतर क्या रह जाता है। उन्होंने 2015 का जिक्र करते हुए कहा कि जो अहंकार उस समय अखिलेश के माथे पर चढ़ा था, वही अहंकार अब चढ़ गया है। अखिलेश तो बर्बाद हो गए। अब इनका देखिएगा।उन्होंने योग और सत्ता के संबंध पर भी सवाल उठाया। गोरखनाथ की वाणी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जो योगी बन गया, उसे राजपाट से दूर रहना चाहिए। राजा योगी बन सकता है, लेकिन योगी फिर से राजा नहीं बनता। ऐसे में उन्होंने सीधा सवाल किया कि अगर आप योगी हैं, विरक्त हैं, तो मुख्यमंत्री सत्ता स्वीकार कैसे कर रहे हैं?इस पूरे प्रकरण ने राजनीतिक और धार्मिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। एक ओर मुख्यमंत्री का कहना है कि हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं लिख सकता और कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, वहीं दूसरी ओर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का कहना है कि शंकराचार्य की पहचान किसी राजनीतिक प्रमाणपत्र से नहीं होती और यह अधिकार सरकार या किसी दल के पास नहीं है। फिलहाल, इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बयान सामने आने के बाद मामला और अधिक चर्चा में आ गया है।

नसीम सोलंकी बोलीं- जहर तो मैं हंसते-हंसते पी गई

टीवी भारतवर्ष कानपुर

कानपुर की सीसामऊ से सपा विधायक नसीम सोलंकी ने गुरुवार को विधानसभा में शायरी पढ़ी और अपने क्षेत्र तथा प्रदेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने लेम्बोर्गिनी कांड का भी मुद्दा उठाया और कहा- हाल ही में लेम्बोर्गिनी कार हादसा हुआ, जिसमें कार चलाने वाला नशे में था। युवाओं में बढ़ती नशे की लत भी बड़ा चिंता का विषय है। शहर में लगातार युवा शराब और नशीले पदार्थों की गिरफ्त में आ रहे हैं। इसका कारोबार करने वाले लोग बढ़ रहे हैं। स्कूलों के आसपास भी नशा फैल रहा है।नसीम ने कहा- ऐसा लगता है कि प्रदेश की तस्वीर कागजों पर कुछ और है, जबकि जमीन पर इसकी हकीकत कुछ और है। उन्होंने कहा कि सीसामऊ विधानसभा समस्याओं से जूझ रही है। सबसे गंभीर विषय महिलाओं की सुरक्षा, बढ़ती छेड़छाड़, अपराध की घटनाएं और घरेलू हिंसा हैं, जिससे महिलाओं में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।उन्होंने कहा- शहर में विकास का ढांचा ध्वस्त हो चुका है। सीसामऊ विधानसभा में बार-बार सड़क धंस रही है। कई दिनों तक मरम्मत का काम नहीं हो पाता, जिससे क्षेत्र की जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जब तक जनता की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक विकास के दावे अधूरे हैं।विधानसभा में धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण का मुद्दा भी उठाया गया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जाए। वनखंडेश्वर मंदिर, ईदगाह परिसर, जीटी रोड गुरुद्वारा और पत्थर शाह बाबा की दरगाह के लिए एक-एक करोड़ रुपए मिले। उनका कहना था कि इन स्थलों के विकास से क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को मजबूती मिलेगी।नसीम सोलंकी ने एक महिला विकास केंद्र और कौशल विकास केंद्र की स्थापना कराने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि ऐसा केंद्र स्थापित किया जाए, जहां पढ़ाई, कढ़ाई, बुनाई और डिजिटल लघु उद्योग के लिए ट्रेनिंग दी जा सके। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।इसके अलावा उन्होंने वाल्मीकि बस्ती में बारात घर बनवाने की मांग की। उन्होंने डॉ. आंबेडकर और महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा लगवाने की भी मांग रखी। उनका कहना था कि इससे समाज के विभिन्न वर्गों को सम्मान मिलेगा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलेगा।महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नसीम सोलंकी ने महिलाओं के लिए अयोध्या, काशी, मथुरा, अमृतसर, निजामुद्दीन दरगाह और अजमेर के लिए निशुल्क बसें चलाने की मांग भी की। उनका कहना था कि इससे महिलाओं को सुरक्षित और सुलभ यात्रा की सुविधा मिल सकेगी और धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होगी।विधानसभा में नसीम सोलंकी ने अपने क्षेत्र की समस्याओं को विस्तार से रखते हुए कहा कि जब तक जमीनी स्तर पर जनता की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक विकास के दावे अधूरे रहेंगे। उन्होंने प्रदेश सरकार से इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कदम उठाने की मांग की।नसीम सोलंकी का पूरा भाषण क्षेत्रीय समस्याओं, सामाजिक मुद्दों और महिलाओं की सुरक्षा जैसे विषयों पर केंद्रित रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कागजों पर दिखाई देने वाली तस्वीर और जमीन की हकीकत में अंतर है। ऐसे में जरूरत है कि विकास के दावों को धरातल पर उतारा जाए और जनता को वास्तविक राहत दी जाए।

लव मैरिज करने पहुंचा, लड़की के भाई ने पीटा

टीवी भारतवर्ष कानपुर

प्रेमिका से गुपचुप तरीके से लव मैरिज करने पहुंचे लड़के को रजिस्ट्रार ऑफिस के बाहर लड़की के परिजनों ने पीट दिया। मारपीट से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें युवती के मां और भाई लड़के की कॉलर पकड़ कर उसे एक के बाद एक थप्पड़ जड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। हंगामा होते देख वकीलों ने बीच–बचाव कर दोनों पक्षों को शांत कराया। जानकारी पर पहुंची कोतवाली पुलिस दोनों पक्षों को थाने लेकर पहुंची, जहां दोनों ने समझौता कर लिया। कोतवाली इंस्पेक्टर जगदीश पांडेय ने बताया कि फेथफुलगंज थानाक्षेत्र निवासी युवक का इलाके की ही युवती से करीब 3 सालों से लव अफेयर चल रहा था। प्रेमी–प्रेमिका एक ही बिरादरी के हैं, लेकिन परिजन दोनों की शादी को लेकर राजी नही थे। जिस पर बीते गुरुवार को दोनों ने आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। शुक्रवार को दोनों मैरिज रजिस्ट्रार ऑफिस कार्यालय में शादी को रजिस्ट्रड कराने के लिए पहुंचे थे, जिसकी भनक युवती को परिजनों को लग गई। आनन–फानन में युवती की मां–भाई समेत अन्य परिजन रजिस्ट्रार ऑफिस पहुंचे और दूल्हे की जमकर पिटाई कर दी। घटना से जुड़ा 36 सेकेंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

उन्नाव में ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र के कुटरा गांव में शनिवार सुबह एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। यह घटना सुबह करीब 8:30 बजे हुई। मृतक की पहचान 21 वर्षीय विशाल पुत्र राजकुमार के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, विशाल संदीप और नीरज नामक ठेकेदारों के साथ काम करता था। शनिवार सुबह वह सोनिक रेलवे स्टेशन पर एक ट्रैक्टर उतारने के लिए गया था। इसी दौरान वह अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना इतनी तेजी से हुई कि संभलने का मौका नहीं मिला। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत शोर मचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

यूपी बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से, प्रशासन सख्त

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में 18 फरवरी से शुरू हो रही यूपी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सभागार में आयोजित एक बैठक में जोनल, सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापकों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं नकलविहीन, पारदर्शी और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाएं।किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

जिलाधिकारी ने सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, फर्नीचर और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा शुरू होने से लेकर समाप्ति तक की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसे देखा जा सके। प्रश्नपत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं को डबल लॉक में सुरक्षित रखने तथा सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न होने देने पर विशेष जोर दिया गया। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने ऐसे केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि परीक्षाएं समय पर शुरू हों और समय पर समाप्त हों। परीक्षा केंद्रों के भीतर किसी भी प्रकार की फोटोग्राफी पर प्रतिबंध रहेगा और परीक्षार्थियों को मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

अजय राय ने कहा- नए कानून किसानों के खिलाफ, कांग्रेस 17 फरवरी को करेगी विधानसभा घेराव

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा सरकार पर किसानों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। उन्होंने 17 फरवरी को विधानसभा घेराव का एलान किया और पूरे प्रदेश में 'किसान अधिकार गांव संवाद' अभियान शुरू किया। वाराणसी और शंकराचार्य मामले पर भी सरकार को निशाना बनाया गया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता कर भाजपा सरकार पर किसानों के उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के नए कानूनों के जरिए किसानों की जमीन छीनी जा रही है और प्रदेशभर में किसानों के अधिकारों का हनन हो रहा है। इसको लेकर कांग्रेस 17 फरवरी को विधानसभा का घेराव करेगी।अजय राय ने बताया कि भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ किसानों में भारी असंतोष है। उन्होंने कहा, "केंद्र सरकार के नए कानून किसानों को प्रभावित कर रहे हैं। उनका मकसद किसानों की जमीन को उनकी पहुंच से दूर करना है। किसान हर स्तर पर उत्पीड़न झेल रहे हैं और इसका विरोध हर संभव माध्यम से किया जाएगा।"कांग्रेस की ओर से किसानों के अधिकारों को लेकर प्रदेशभर में 'किसान अधिकार गांव संवाद' अभियान भी शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत कांग्रेस के पदाधिकारी गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करेंगे और उन्हें भाजपा सरकार की नीतियों तथा उनके संभावित नकारात्मक प्रभावों के बारे में जानकारी देंगे। अजय राय ने कहा कि यह अभियान किसानों को उनके अधिकारों के प्रति सजग करने के साथ-साथ सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ चेतावनी भी देगा।अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से सिर्फ किसान ही नहीं, बल्कि प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचा भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों और आम जनता के हित की बजाय केवल अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार वाराणसी और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भी अपनी नीतियों के माध्यम से जनता को नुकसान पहुंचा रही है।कांग्रेस नेता ने विशेष रूप से वाराणसी और शंकराचार्य मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा, "जैसा कि योगी आदित्यनाथ को उनके गुरु ने पीठ सौंपा, उसी तरह से शंकराचार्य का मनोनयन हुआ है। ऐसे मामलों पर सवाल उठाने से पहले सरकार को अपनी कार्रवाई और अपने आचरण की समीक्षा करनी चाहिए।" अजय राय ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वाराणसी को पूरी तरह से तबाह कर दिया गया है और वहां के घाटों को उजाड़ दिया गया है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य केवल आरोप लगाना नहीं है, बल्कि किसानों और आम जनता के हित में कार्रवाई करना है। इसके लिए प्रदेशभर में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि लोग सरकार की नीतियों और उनके प्रभाव को समझ सकें। अजय राय ने यह भी स्पष्ट किया कि विधानसभा घेराव 17 फरवरी को किसानों के उत्पीड़न और सरकार की नीतियों के विरोध में किया जाएगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, "हम किसानों के लिए आवाज उठाएंगे। सरकार चाहे जो भी कानून बनाए, हम हर स्तर पर किसानों के अधिकारों की रक्षा करेंगे। किसानों के हितों को दबाना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए स्वीकार्य नहीं है।" उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों का असर सिर्फ किसानों पर ही नहीं, बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहा है।"कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में विकास और कल्याण के बजाय केवल राजनीतिक लाभ के लिए नीतियां बनाई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के कदमों से किसानों की जमीन और जीवन दोनों खतरे में हैं। इसलिए कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि किसानों के हित में उन्हें आवाज उठाने के लिए विधानसभा का घेराव करना जरूरी है। अजय राय ने अंत में यह दोहराया कि कांग्रेस किसान और आम जनता के साथ खड़ी है और सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ हर स्तर पर संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में किसानों के अधिकारों और उनके हितों की रक्षा के लिए चलाए जा रहे 'किसान अधिकार गांव संवाद' अभियान से सरकार को स्पष्ट संदेश मिलेगा कि जनता अपनी आवाज उठाने में संकोच नहीं करेगी।

रेलवे केबिनमैन हत्याकांड का आरोपी 14 साल बाद दबोचा गया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ जीआरपी ने 14 साल से फरार चल रहे 50 हजार रुपए के इनामिया हत्यारोपी संत कुमार को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रायबरेली में रेलवे के एक केबिनमैन की हत्या के मामले में दोषी ठहराया जा चुका है और उसे आजीवन कारावास की सजा भी सुनाई जा चुकी है। इसके बावजूद वह नाम बदलकर परिवार के साथ फरार जीवन जी रहा था। यह मामला वर्ष 2012 का है, जब रायबरेली स्थित रेलवे के केबिनमैन की हत्या कर दी गई थी। जांच के दौरान सामने आया था कि मृतक के बेटे ने ही अपने तीन साथियों के साथ मिलकर साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने संत कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचता रहा और लंबे समय तक पुलिस को चकमा देता रहा। एसपी जीआरपी रोहित मिश्रा के मुताबिक, संत कुमार गिरफ्तारी से बचने के लिए गुजरात के अहमदाबाद में नाम बदलकर रह रहा था। वह वहां परिवार के साथ सामान्य जीवन जी रहा था, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो। पुलिस को इनपुट मिला कि आरोपी गुजरात में छिपा है, जिसके बाद लखनऊ डिवीजन की जीआरपी टीम को सक्रिय किया गया। सूचना के आधार पर जीआरपी की टीम अहमदाबाद पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे लखनऊ लाया जा रहा है, जहां आगे की

दालमंडी में बुजुर्ग की हार्ट-अटैक से मौत, मकान तोड़ा गया

टीवी भारतवर्ष वाराणसी

वाराणसी के दालमंडी में ध्वस्तीकरण का हथौड़ा लगातार चल रहा है। इससे लोग परेशान हैं। कई की तबियत बिगड़ी तो कई को इलाज करवाना पड़ रहा है। ऐसे है मकान संख्या सीके 43/154 को कसरे हिंद घोषित करने से परेशान मकान मालिक के पिता महंगू की हार्ट अटैक से मौत हो गई। महंगू काफी दिनों से परेशान थे और बीती रात पोते के हाथों केक खाने के बाद सोए थे। परिजन दालमंडी में गिरे मलबे की वजह से मृतक की लाश दोबारा उसके दरवाजे पर नहीं ले जा सके और कबीरचौरा मंडलीय चिकित्सालय पर ही उनके शव को नहलाया गया और शवयात्रा निकाली गयी। मृतक के परिजनों ने कहा ऐसा विकास नहीं चाहिये जो किसी की लाश पर होकर तय किया जाए। दालमंडी के रहने वाले महंगू की लाश पर बिलख रहे उनके पोते विक्की ने बताया - मेरे दादू हैं ये जो दालमंडी के सीके 43/154 में रहते थे। हमारे मकान को कसरे हिंद घोषित कर दिया था प्रशासन ने। जिसके बाद दादू को टेंशन हो गया था। कल रात में हमसे केक खाया और बातचीत की तो हमने उन्हें समझाया था। उन्होंने कहा सरकार छीन रही है तो छीन लेने दो अब हम क्या कर लेंगे। विक्की ने बताया - रात में वो और हम दोनों लोग सो गए। सुबह हम लोगों ने दादू को उठाने की कोशिश की लेकिन वो नहीं उठे तो हम लोग उन्हें कबीरचौरा अस्पताल ले कर आये। यहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अब हम उनकी लाश को वापस घर भी नहीं ले जा सकते हैं। विक्की के अंदर नाराजगी साफ दिखी। विक्की ने कहा - विकास का काम हो रहा है। विकास के काम में आपके परिवार का जान जाएगी तो कोई बात नहीं। हमारा पूरा परिवार भी मर गया तो सरकार का कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। क्योंकि उसने अपना सोच लिया है। उसे सिर्फ अपना चाहिए। क्योंकि सरकार ने ठान लिया है। ठान लिया है कि 60 फिट की सड़क बनेगी तो बनेगी भले ही सबकी लाश पर से गुजरना पड़ेगा।

लखनऊ में चाइनीज मांझे का कहर, चलती बाइक सवार युवक की गर्दन कटी, पत्नी-बेटा घायल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा लोगों की जान पर बनता जा रहा है। थाना हुसैनगंज क्षेत्र में शेर वाली कोठी के पास रहने वाले 29 वर्षीय मोहम्मद मुशर्रफ शनिवार को चाइनीज मांझे का शिकार हो गए। वह अपनी पत्नी और छोटी बच्ची के साथ बाइक से हुसैनगंज से लालकुआं जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही उनकी बाइक फ्लाईओवर पर पहुंची, अचानक चाइनीज मांझा सामने आ गया। मुशर्रफ संभल पाते उससे पहले मांझा उनकी गर्दन में उलझ गया। तेज धार मांझे से उनकी गर्दन कट गई और दर्द से घबराकर उन्होंने अचानक ब्रेक लगा दी। बाइक स्लिप हो गई और तीनों फ्लाईओवर पर ही गिर पड़े। हादसे में मुशर्रफ गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि उनकी पत्नी को भी चोटें आईं। छोटी बच्ची बाल-बाल बच गई। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत मदद की। मुशर्रफ और उनकी पत्नी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद मुशर्रफ की हालत स्थिर है। मुशर्रफ ने बताया- मैं पत्नी और बच्ची के साथ बाइक से लालकुआं जा रहा था। फ्लाईओवर पर मांझा गर्दन में फंस गया। इससे बाइक कंट्रोल से बाहर हो गई। पत्नी और बच्ची समेत फ्लाईओवर पर गिर गया। गनीमत रही कि फ्लाईओवर से नीचे नहीं गिरा या पीछे से आ रहे किसी वाहन की चपेट में नहीं आए, वरना बड़ा हादसा हो जाता। गिरने से पत्नी को भी चोटें आई हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। मुशर्रफ ने कहा- प्रतिबंधित होने के बावजूद लोग चाइनीज मांझे का प्रयोग कर रहे हैं। यह जानलेवा बन रहा है। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि लोगों की जान बच सके।